ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् ***विषय- हिन्दी***

दिनांक-16-01-2021 ***दो बैलों की कथा***

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

1.झूरी के साले का क्या नाम था ?

हीरा

गया

मनसुख

2.दोनों बैल के मालिक का क्या नाम था ?

झूरी

भैरो

गया

3.गया के घर में दोनों बैलों को कैसा चारा दिया जाता था

हरा चारा

दलिया और सूखा भूसा

सूखा भूसा

3.दोनों बैलों के क्या नाम थे

हीरा-मोती

लालू -पीलू

राम-श्याम

4.दोनों बैल एक दूसरे के प्रति प्रेम किस प्रकार प्रकट करते थे

एक दूसरे को सींग मार कर

एक दूसरे का चारा खा कर

एक दूसरे को चाट कर

5.नौ दो ग्यारह होना -मुहावरे का क्या अर्थ है

सही होना

भाग जाना

दुखी होना

6.गया के घर में दोनों बैलों को सबसे ज्यादा प्रेम कौन करता था

गया की बेटी

गया

गया की पत्नी

7.कांजी हाउस में पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी

पशुओं की उपस्थिति जाना ने के लिए

पशुओं को कशा देने के लिए

पशुओं को बेचने के लिए

8.इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है

विरोध करने की

स्वच्छता की

स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की

9.kकांजीहौस क्या होता है ?

चारागाह

खेत

कांजीहौस एक प्रकार से आवारा पशुओं की जेल |

धन्यवाद

कुमारी पिंकी 'कुसुम'

🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲